श्री शरद यादव (उत्तर प्रदेश) : मैं थोड़ा सबमिशन करना चाहता हूं ।

श्री सभापति : अब वोटिंग हो गयी है । यह इंट्रोडक्शन में नहीं होता है ।

श्री शरद यादव : मैं एक सबमिशन करना चाहता हूं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश) कोई कह सकते है कि भजन लाल जो उस बिल को इंट्रोड्यूस न करे और क्यों न करे इसको समझने का उन्हें मौका होना चाहिये ।

श्री भजन लाल : वह भी हम आपको बता देंगे । **(व्यवधान)**

श्री शरद यादव : मेरा सबमिशन यह है कि हमारे एक माननीय सदस्य जो कैबिनट मे भी उनके बारे मे लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे हैं । श्री भजन लाल के ऊपर लगातार आरोप लगते रहे हैं । मैं आपसे कई बार प्रार्थना कर चुका हूं कि इनके बारे में मामला उठाने का मुझे मौका दिया जाये **(व्यवधान)**

श्री सभापति : वह देख लेंगे ।

श्री भजन लाल : इनको भजन लाल हौआ नजर आता है ।

STATEMENT BY MINISTER:—

II. Re. the Fire in a pump station of the Visakh Oil Refinery of Hindustan Petroleum Corporation Limited.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): Sir, I have received information that there was a fire at the sea water pump house basin of the Visakh Refinery of HPCL at around 11.30 p.m. on 11th November, 1987. This pump house supplies sea water for cooling to the various units of the refinery and is located approximately 4.5 Kms. away from the refirery. Due to this fire the pump house has been damaged. As a result the supply of sea water to the refinery was cut-off and the various refinery units had to be shut down. Some product lines running over a trestle approximately 150 meters away from the pump house also got engulfed in the fire.

The refinery personnel took prompt action to shut down the refinery and also start fire fighting work. Assistance was taken from the local civil administration, the eastern naval command as well as the neighbouring Industries. As a result of this it was possible to put out the fire within a short period. The fire was controlled within about 3 hours.

As a result of the fire, some of the product pipelines running at a distance of about 150 meters as well as an old 20 inch crude pipeline located near the pump house have also been damaged. There has, however, been no damage to the main operating units of the refinery or to the marketing terminals of HPCL and IOC There has also been no damage to any property belonging to a third party. There has been no loss of life or injury to any person. Preliminary estimates indicate that the loss in equipment is approximately Rs. 60-70 lakhs and in product approximately Rs. 50 lakhs.

As to the cause of fire preliminary investigation also indicates that some oil floating on the surface of the sea in the inner harbur channel, due to very high wind velocity prevailing at that time, travelled through the water channel to the sea water pump house. Some ignition led to the fire.

The product demand of the area is being met from the existing stock available in the refinery tanks as well as in the HPCL and IOC marketing terminals. Plans have also been made to supplement the supply of products from Madras and Haldia if the need arises. Round the clock repair work has been undertaken.

[Shri Brahm Dutt]

The new crude distillation unit commissioned recently had already been put back on stream on 17th. It is expected that the other units of the refinery would be put back on stream within the next few days. A technical Committee headed by the Director (Production) of HPCL has been constituted to investigate the causes of the fire and suggest remedial measures to be taken to prevent such accidents in future. A representative of the Oil Industry Safety Directorate will also be associated in this enquiry.

I assure the House that all steps will be taken to ensure not only the normal availability of products in the area but also to recommission the plant within the quickest possible time.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, मैं सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि जो इसमें बताया गया है कि करीब-करीब 130 लाख रुपये की हानि हुई है सामान की या जो आपका इक्विपमेंट था। तो जिस वजह से यह क्षति पहुंची है या आग लगी, इसके पहले वहां पर जो आपके टैक्नीशियंस हैं, इन लोगों को इस बारे में कोई आभास हुआ था कि नहीं ?

दूसरा, मैं यह जानना चाहता हूं कि जो इन्क्वायरी कमेटी इसमें बिठाई गई है, इसमें आपने कहा है कि टैक्नीकल कमेटी--हैडेड बाई दी डायरेक्टर प्रोटैक्शन--और फिर यह कहा है कि आयल इंडस्ट्री सेफ्टी डायरेक्टोरेट के रेप्रेजेन्टेटिव इसमें रहेंगे। तो क्या केवल दो ही व्यक्ति इसमें जांच में रहेंगे या किसी जन-प्रतिनिधि को भी इसमें सम्मिलित किया जाएगा ?

श्री अश्विनी कुमार (बिहार): माननीय सभापति जी, जो आग लगने के कारण बताया जाता है कुछ तेल वेस्ट रहा था समुद्र में वह इनके हार्बर क्राफ्ट से वहां पहुंच गया।

आजकल यह एक बहुत बड़ी समस्या होती चली जा रही है कि जगह-जगह पर बहुत सी इस प्रकार की चीजें पानी में छोड़ी जा रही हैं। अभी कुछ दिन पहले हमारे बिहार में दामोदर नदी में आग लग गई थी, क्योंकि जो कुछ पानी में फेंक जा रहा था इंडस्ट्री से, वह वोलेटाईल था, जलनशील था, और उसके कारण आग लग गई और करीब एक मील नदी के अंदर 5-6 दिन तक आग जलती रही। धन्यवाद है कि वहां कोई इंस्टलेशन नहीं था।

मेरा प्रश्न यह है कि जो इस तरह से चीजें तैरनी शुरू हो गई हैं और इंडस्ट्री के एफ्लुएंट जो समुद्र में डाले जा रहे हैं, उनमें कोई वोलेटाईल पैलिमेंट्स हैं या जैसे यहां कहे जा रहे हैं कि आयल फ्लोट करते करते वहां चला गया है। तो इस प्रकार के फ्लोटिंग पैलिमेंट्स जो वोलेटाईल हैं, जलनशील हैं, उनको रोकने के लिए जिससे यह डैमेज न हो, उसके लिए यह क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

श्री बी सत्यनारायण रेड्डी (आन्ध्र प्रदेश): सभापति जी, आग लगने के कारण जो मंत्री महोदय ने अपनी स्टेटमेंट में कहा है कि जो करीब-करीब 150 मीटर दूरी तक और इसके आजू-बाजू जो दूसरी इंडस्ट्रीज हैं या ऐसी कोई इन्स्टालेशन्स हैं, उनको भी नुकसान पहुंचा है। मंत्री महोदय ने यह नहीं बताया कि इसके आजू बाजू में जो दूसरे पैट्रोलियम हैं उनको कितना नुकसान पहुंचा है और उनको दुरुस्त या ठीक करने के लिए कुछ कार्यवाही की जा रही है या नहीं और उसका जो नुकसान हुआ उसकी किस तरीके से पूर्ति की जायेगी। उसके साथ बयान में यह भी कहा है कि

"The new crude distillation unit commissioned recently had already been put back on stream on 17th."

यह मेरी समझ में नहीं आया कि कौन से महीने की 17 को या कौन सी तारीख को इसको ठीक करने के लिए कदम उठाए गए हैं ? उसके साथ-साथ मैं मंत्री महोदय से यह भी पूछूंगा कि यह जो आग लगी है इसके कारण तो बताएं लेकिन आइंदा से इस तरह की कोई आग न लगे उसके लिए सरकार क्या तजवीज अख्तियार कर रही है और फिर ऐसा

न होने दे, उसके लिए सरकार ने कोई ऐसा रास्ता निकला जिससे कि भविष्य में कोई दुर्घटना न हो ?

श्री ब्रह्म दत्त : मान्यवर, कुछ स्पष्टीकरण मांगे गए है। पहला स्पष्टीकरण यह मांगा गया है कि इस आग के लगने का पता कब चला, तो मैं यह निवेदन कर चुका हूं कि साढ़े ग्यारह बजे इसका पता चला और तीन घंटे मे आग को कन्ट्रोल कर लिया गया। इसकी जांच करने के लिए डायरेक्टर (प्रोडक्शन) की अध्यक्षता मे कमेटी को बनाया गया है और इंस्ट्री के सेफ्टी डायरेक्टरेट और नेवल कमाड के वहा के लोग इसमे एसोसिएट होंगे। दूसरा यह स्पष्टीकरण पूछा गया कि तेल क्यों फैल गया इसके दो अंश है। एक प्रदूषण कन्ट्रोल बोर्ड इसका तो नियंत्रण कर रहा है कि इस तरह की चीजें न फैंकी जाएं और साथ ही हम लोग भी इसमे पूरा प्रयास करते है कि हमारी लाइन से कोई लीकेज न हो, तेल पास न हो। लेकिन आस-पास के इलाके में कोई दूसरा पंप हाउस नही था जिसको कि आग लगी हो या किसी थर्ड पार्टी को कोई नुकसान पहुंचा हो और जान माल का कोई नकसान नहीं हुआ। ये तीनो आदमी जो कमेटी हमने बनाई है ये इसके कारण का भी पता चलायेंगे और भविष्य मे ऐसी कोई दुर्घटना न हो इसके लिए जो रेकमेंडेशन कमेटी करेगी उसको हम कार्यान्वित करेंगे।

श्री बी सत्यनारायण रड्डी : सभापति जी, मैंने यह पूछा था कि आजू-बाजू के जो दूसरे पंप हाउसज है क्या उनको कोई नुकसान पहुचा है ? आपने अपने बयान मे कहा है कि नुकसान पहुचा है। आप यह बताइये कि कौन से वे पाइप लाइनज् हैं ?

श्री ब्रह्म दत्त : मान्यवर, किसी दूसरे इन्स्टालेशन को कोई नुकसान नही पहुचा है, परन्तु कुछ हमारी पाइप लाइन्ज थी जो कि डैमेज हुई हैं।

श्री सभापति : दूसरों के मकानों को तो कोई नुकसान नहीं हुआ ?

श्री ब्रह्म दत्त : नही। ... (व्यवधान)

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : उनके स्टेटमेंट मे कहा गया है कि

"As a result of the fire, some of the product pipelines running at a distance of about 150 meters as well as an old 20 inch crude pipeline located near the pump house have also been damaged."

My question was, what was the estimate of the damage and what are those pipelines?

SHRI BRAHM DUTT: Sir, I have given the estimate of the total damage. It is Rs. 50 to 60 lakhs. And all things have been put in order.

MR. CHAIRMAN: Special Mentions. Shri Sukomal Sen.

RE CALLING ATTENTION TO CRISIS IN TEXTILE INDUSTRY

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): Sir, before we go to Special Mentions, I have got a submission on the procedure of drawing up of the List of Business in this House. Sir, you were kind enough to allow a Calling Attention on Friday, which was very important to us.

MR. CHAIRMAN: That we will take up.

SHRI A. G. KULKARNI: Just a minute, Sir. Please allow me to make a submission, at least.

You were very sympathetic that the prices of cotton and the textile crisis should be discussed on Friday. It was discussed on Friday but it was not completed because unfortunately, even at five o'clock there were statements to be made, and ultimately the House decided to postpone the Calling Attention. But, as per the convention of this House and the usual practice, spill-over business gets [illegible] th busi[illegible]